



# भाकृअनुप-भातिअसं ICAR-IIOR

ISO 9001:2015 Certified Institute

समाचार पत्र

NEWSLETTER



खण्ड 24 (2), जून 2018

Volume 24 (2), June 2018

## निदेशक की कलम से

### 2022 तक वनस्पति तेल उत्पादन का रोड मैप

देश में घरेलू वनस्पति तेल उत्पादन के सकल घाटे का वर्तमान परिदृश्य वनस्पति तेल उत्पादन बढ़ाने के लिए एक व्यापक विश्लेषण की माँग करता है। इसके अलावा 2022 तक किसानों की आय के दोहरीकरण आदर्श वाक्य रहा है और तिलहनों की खेती (~70%) मुख्य रूप से बारानी हालत के तहत सीमांत भूमि में की जा रही है, यह एक बड़ी चुनौती है। व्यावहारिक सिफारिशों के लिए सभी हिस्सेदारों को एक मंच पर विचार विमर्श करने के लिए अप्रैल 28-29, 2018 के दौरान कृषि सहकारीता एवं किसान कल्याण (डैक & एफडब्ल्यू) विभाग, भारत सरकार और आईसीएआर-आईआईओआर, हैदराबाद में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी ने 2022 तक वनस्पति तेल उत्पादन में लक्षित वृद्धि को प्राप्त करने के लिए अग्रणी विचारों के आदान-प्रदान पर रोड मैप तैयार करने का एक उपयुक्त सेट प्रदान किया है। श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने इस अवसर पर अनुग्रह किया और उद्घाटन भाषण दिया। देश भर से 500 से अधिक प्रतिभागियों ने जो की विभिन्न वनस्पति तेल क्षेत्र के धारकों का प्रतिनिधित्व जिसमें किसानों सहित, प्रौद्योगिकियों के विकास और प्रसार में शामिल संस्थानों, प्रसंस्करण में शामिल एजेंसियों, मूल्य सवर्धन और विपणन, नीति निर्माताओं और इनपुट एजेंसियों आदि ने विवेचनाओं में हिस्सा लिया। संगोष्ठी



## FROM DIRECTOR'S DESK

### Road Map of Vegetable Oil Production by 2022

The present scenario of gross deficit of domestic vegetable oil production in the country demands a comprehensive analysis to enhance the vegetable oil production. Furthermore, doubling of the farmers' income by 2022 has been the motto and with oilseed cultivation predominantly (~70%) being done under rainfed condition in marginal soils, it is a great challenge. Perceiving the necessity to bring in all the stakeholders on one platform for fruitful discussions leading to practical recommendations, a national seminar was organized by Department of Agriculture, Cooperation & Farmers' Welfare (DAC&FW), Govt. of India and ICAR-IIOR at Hyderabad during April 28-29, 2018. The seminar provided an opportune set up for cross fertilization of ideas leading to implementable road map for achieving targeted increase in vegetable oil production by 2022. Shri Gajendra Singh Shekhawat Ji, Hon'ble Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India graced the occasion and delivered the inaugural address. More than 500 participants across the country representing different stakeholders of vegetable oil sector including farmers, institutions involved in development and dissemination of





के एक भाग के रूप में, एक प्रदर्शनी की व्यवस्था की जिसमें विभिन्न हिस्सेदारों कि गतिविधियों और उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

प्रमुख क्षेत्रों जैसे अनुसंधान फर्नट, उपलब्ध प्रौद्योगिकियों को अपनाने, क्षेत्र विस्तार और फसल विविधीकरण, आधारभूत सुविधाओं का निर्माण और मूल्य संवर्धन, विस्तार, विपणन, प्रसंस्करण और नीतियों पर विचार-विमर्श आयोजित किए गए। संगोष्ठी की उल्लेखनीय सिफारिशों में से कुछ कृषि यंत्रीकरण, बेहतर गुणवत्ता और पारिश्रमिक के लिए वैल्यू चेन, फसल ज़ोनिंग को गोद लेने, सूखा जांच प्रौद्योगिकियों के माध्यम से बारानी खेती में सुधार, परती भूमि में क्षेत्र विस्तार, बीज केंद्रों, इसके अलावा सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धतियों का प्रचार-प्रसार आदि शामिल हैं। संगोष्ठी की कार्यवाही का प्रकाशन तैयार किया जा रहा है, जो कि सभी हिस्सेदारों को परिचालित की जाएगी।

अपनी ओर से आईआईओआर इस दिशा में गंभीर प्रयास कर रहा है। खासकर तिल, सूरजमुखी और रामतिल फसलों के क्षेत्र विस्तार लिए उत्तर-पूर्वी पहाड़ी (NEH) क्षेत्र में पता लगाया है। इस क्षेत्र के किसानों को प्रजातियों और क्षेत्र दिवस के प्रदर्शन के माध्यम से हमारे अधिदेश फसलों की क्षमता के बारे में जागरूक किए गए। किसान प्रथम कार्यक्रम के अंतर्गत लघु धारक कृषि के तिलहन उत्पादन प्रणाली में उच्चतर उत्पादकता और पूर्ण प्रौद्योगिकी संयोजन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के प्रति संस्थान ने अरण्डी, मूंगफली और तिल की फसलों में प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप (गुणवत्तायुक्त बीज, एसएसपी के साथ डीएपी का प्रतिस्थापन, जिप्सम का प्रयोग, बीज उपचार, उचित दूरी और अंतराशय क्रियायें आदि) किया है। इस प्रयास से उत्पादकता और आय में वृद्धि हुई है और साथ ही अंगीकृत गांवों (विकाराबाद जिला, तेलंगाना) में तिलहनों की खेती की दिशा में क्षेत्र विस्तार हुआ है। इस तरह की पहल अगर बड़े पैमाने पर अपनाई जायें तो तिलहन की खेती को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसलिए 2022 तक वनस्पति तेल उत्पादन को और किसानों की आय के दोहरीकरण के रोड मैप को प्राप्त करने के लिए हम सभी को प्रयास तेज करना पड़ेगा।

(ए. विष्णुवर्धन रेड्डी)

technologies, agencies involved in processing, value addition and marketing, policy makers and input agencies etc., took part in the deliberations. As a part of the seminar, an exhibition that showcased the activities and products of different stakeholders was arranged.

Deliberations were held on the key areas namely research front, adoption of available technologies, area expansion and crop diversification, creation of infrastructure facilities and value chain, extension, marketing, processing and policies. Some of the notable recommendations of seminar include farm mechanization, value addition for better quality and remuneration, adoption of crop zoning, improved rainfed farming through drought proofing technologies, area expansion in fallow lands, seed hubs, dissemination of best management practices etc. A publication of the proceedings of the seminar is being prepared, which will be circulated to all the stakeholders.

On its part, ICAR-IIOR is making serious efforts in this direction. Notably, area expansion is explored in North Eastern Hill (NEH) region for sesame, sunflower and niger crops. The farmers of this region were sensitized on the potential of our mandate crops through demonstration of cultivars and field days. Under the farmers' FIRST programme towards increasing the farmers' income through higher productivity and complete technology assemblage in the oilseeds production system of small holder agriculture - the institute has made technological interventions (quality seed, replacement of DAP with SSP, application of gypsum, seed treatment, proper spacing, intercultural operations etc.), in castor, groundnut and sesame crops. This endeavor has resulted in increased productivity, income as well as area expansion towards cultivation of oilseeds in the adopted villages in Vikarabad District of Telangana state. Such initiatives, if adopted in large scale, would help increasing the oilseed cultivation. Therefore, it is time for all of us to gear up for achieving the road map of vegetable oil production and doubling of the farmers' income by 2022.

(A. Vishnuvardhan Reddy)

## बैठके / Meetings

### क्यूआरटी बैठक

क्यूआरटी बैठक यूएएस, बेंगलुरु में (2-3 अप्रैल 2018), आईसीएआर-आईआईओआर, हैदराबाद में (4 अप्रैल 2018) और

आरवीएसकेवीवी, इंदौर में (7-8 मई 2018) तक आयोजित की गई। इन बैठकों में 2012-17 की अवधि के दौरान

सूरजमुखी (3), कुसुम (3), अरंड (2), अलसी (4), तिल (5) और रामतिल (2) के एआईसीआरपी केंद्रों तथा आईआईओआर के उपलब्धियों की समीक्षा की गई। क्यूआरटी ने कुसुम और सूरजमुखी में तेल अंश बढ़ाने



### Quinquennial Review Team (QRT) Meetings

The QRT meetings were conducted at UAS, Bengaluru during April 2-3, 2018; ICAR-IIOR, Hyderabad on April 4, 2018 and RVSKVV, Indore on May 7-8, 2018. In these meetings,



achievements of IIOR and AICRP centres of sunflower (3), safflower (3), castor (2), linseed (4), sesame (5) and niger (2) during the period from 2012-17 were reviewed.

पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया, अरंड में बोटीटिस को सहिष्णुता के तंत्र को समझने, तिल में फाइबर की गुणवत्ता और फसल में सुधार, युटेरा खेती के तहत सभी फसलों में कठिन श्रम को कम करते हुए इनपुट उपयोग दक्षता और कारक उत्पादकता में सुधार करने का सुझाव दिया।

## सूरजमुखी, तिल, रामतिल और अरंडी की वार्षिक समूह बैठक

सूरजमुखी, तिल, रामतिल और अरंडी की वार्षिक समूह की बैठक का आयोजन मई 17-19, 2018 के दौरान आईसीएआर-आईआईओआर, हैदराबाद में वर्ष 2017-18 के दौरान किए गए अनुसंधान के परिणामों की समीक्षा करने और वर्ष 2018-19 के लिए तकनीकी कार्यक्रम तैयार करने के लिए की गई। बैठक के तहत एआईसीआरपी (सूरजमुखी, तिल, रामतिल और अरंडी) पर काम कर रहे वैज्ञानिकों, केंद्रीय और राज्य कृषि

The QRT suggested to focus on increasing oil content in safflower and sunflower, understanding the mechanism of tolerance to *Botrytis* in castor, improving fibre quality and yield of linseed under *utera* cultivation and improving input use efficiency and factor productivity while decreasing drudgery in all crops.

## Annual Group Meeting on Sunflower, Sesame, Niger & Castor

Annual Group Meeting of Sunflower, Sesame, Niger & Castor were held at PJTSAU, Hyderabad during May 17-19, 2018 to review the results of research conducted during 2017-18 and formulate the technical programme for the year 2018-19. The meeting was attended by the scientists working under AICRP (Sunflower, Sesame & Niger, Castor), officials of Central and State Department of Agriculture, public and private seed entrepreneurs and the host university. The inaugural session of the group meeting was chaired by



विभाग के अधिकारियों, सार्वजनिक और निजी बीज उधमियों और मेजबान विश्वविद्यालय ने भाग लिया।

## प्रमुख सिफारिशें

### सूरजमुखी

- महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पूर्वी भारत के लिए एलएसएफएच-171; आंध्र प्रदेश के लिए प्रभात और पीडीकेवी-एसएच-952 महाराष्ट्र के लिए जारी की गई।
- आंध्र प्रदेश के वर्टीजोल में उच्च सूरजमुखी बीज उपज और उच्च खरपतवार नियंत्रण दक्षता और अर्थशास्त्र को साकार करने के लिए पेंडिमिथेलिन @ 1.0 किलो एआई/हैक्टर (पीई) + फेनोक्सीप्रोप एथिल (कोड़ा सुपर) @ 37.5 ग्राम एआई/हैक्टर का आवेदन बुवाई के 15-20 दिन बाद डीओई के रूप में निर्देश की सिफारिश की गई है।
- पंजाब में एसएएफ के साथ बीज उपचार (कार्बेन्डाज़िम 12% + मैकोज़ेब 63%) @ 2 ग्राम/किलो बीज + साप्ताहिक सिंचाई चारकोल सड़ांध की कमी और बीज की पैदावार वृद्धि में प्रभावी है।

### तिल

- तिल + मूंगफली अंतर फसल प्रणाली से वरिध्याचलम में सबसे अधिक तिल उपज प्राप्त की गई।
- एनएसकेई पाउडर के साथ बीज उपचार से लाल रस्ट फ्लोर बीटल की अधिकतम मृत्यु दर दर्ज की गई।

Dr. V. Praveen Rao, Hon'ble Vice-Chancellor, PJTSAU, Hyderabad. Dr. A. Vishnuvardhan Reddy, Director, ICAR-IIOR presented the research highlights of sunflower and castor. Dr. Rajani Bisen, I/c Project Coordinator (Sesame & Niger) presented the research highlights of sesame and niger for the year 2017-18.

## Major Recommendations

### Sunflower

- Released LSFH-171 for Maharashtra, Karnataka, Tamil Nadu, Andhra Pradesh, Telangana and Eastern India; Prabhat for Andhra Pradesh and PDKV-SH-952 for Maharashtra.
- Application of Pendimethalin @ 1.0 kg a.i./ha (PE) + Fenoxypop ethyl (whip super) @ 37.5 g a.i./ha at 15-20 DAS as directed PoE is recommended for realising higher sunflower seed yield and higher weed control efficiency and economics in Vertisols, Andhra Pradesh.
- Seed treatment with SAAF (Carbendazim 12% + Mancozeb 63%) @ 2 g/kg seeds + weekly irrigation is effective in reduction of charcoal rot and increase in seed yield in Punjab.

### Sesame

- Highest sesame equivalent yield was obtained at Vridhachalam in sesame + groundnut intercropping system.



## रामतिल

- उच्च उपज देने वाली उर्वरक उत्तरदायी किस्मों का विकास और कस्क्यूटा रहित प्रमाणित/गुणवत्ता वाले बीज की उपलब्धता प्राथमिकताएं होंगी।

## अरण्डी

- जीएनसीएच-1 एक उच्च उपज विल्ट प्रतिरोधी संकर, दक्षिण और मध्य गुजरात के लिए देर से खरीफ और रबी के मौसम के लिए उपयुक्त; तमिलनाडु के अरण्डी उगाने वाले क्षेत्रों के लिए वाईआरसीएच-2 और देश के सभी अरण्डी उगाने वाले क्षेत्रों के लिए जीसीएच-8 जारी कि गई।
- तेलंगाना में चूसक कीटों (लीफहॉपर और थ्रिप्स) के प्रबंधन के लिए क्लोथीनिडीन 50 डब्ल्यूडीजी @ 0.1 ग्राम/लीटर या एसीटामिप्रिड 20 एसपी @ 0.2 ग्राम/लीटर का आवेदन करें।

- Seed treated with NSKE powder recorded maximum mortality of red rust flour beetle.

## Niger

- Development of high yielding fertilizer responsive varieties and availability of certified/quality seed free of *Cuscuta* shall be the priorities.

## Castor

- Released GNCH-1, a high yielding wilt resistant hybrid suitable for late *kharif* and *rabi* season for South and Middle Gujarat; YRCH-2 for castor growing areas of Tamil Nadu and GCH-8 for all castor growing areas of the country.
- Application of Clothianidin 50WDG@0.1g/l or Acetamiprid 20SP@0.2g/l for management of sucking insect pests (leafhopper and thrips) in Telangana.

## योजन / Events

### बदलते जलवायु परिदृश्य में तिलहन की उत्पादकता में वृद्धि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑयलसीड्स रिसर्च (आईएसओआर) ने मूंगफली रिसर्च (डीजीआर) निदेशालय के साथ, जूनागढ़ में अप्रैल 7-9, 2018 के दौरान "बदलते जलवायु परिदृश्य में तिलहन की उत्पादकता में वृद्धि" पर एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया। डॉ. टी. महापात्रा, सचिव डेयर और महानिदेशक, आईसीएआर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में देश में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में डॉ. ए.आर. पाठक, कुलपति, जेएयू, जूनागढ़ मुख्य अतिथि थे। लगभग 200 वैज्ञानिक, छात्रों, किसानों, उद्यमियों और उद्योग के हितधारकों ने भाग



लिया। वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए अपनाया जाने वाला जलवायु के अनुरूप लचीली किस्मों, फसल संरक्षण और उत्पादन रणनीतियों को विकसित करने के लिए विभिन्न मुद्दों पर पेपर प्रस्तुत किए, तिलहन किसानों की आय बढ़ाने, फसल कटाई प्रबंधन, प्रसंस्करण और विकास के लिए नीति ढांचे में आवश्यक परिवर्तन, किसानों को प्रौद्योगिकियों के तेजी से हस्तांतरण के लिए तेल के माध्यमिक स्रोतों और अभिनव दृष्टिकोणों की क्षमता का उपयोग करने के लिए मूल्यवर्धन। सेमिनार के दौरान छात्रों को अपने शोध कार्य पेश करने के लिए एक अलग सत्र आयोजित किया गया था। जलवायु वैज्ञानिक लचीला कृषि प्रौद्योगिकियों के माध्यम से किसानों की आय को दोगुना करने के लिए प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और रोड़ मैप के साथ एक पैनल चर्चा आयोजित की गई थी।

### National Seminar on "Enhancing the Productivity of Oilseeds in Changing Climate Scenario"

Indian Society of Oilseeds Research (ISOR) along with Directorate of Groundnut Research (DGR), Junagadh organized a National Seminar on "Enhancing the productivity of oilseeds in changing climate scenario" during April 7-9, 2018. Dr. T. Mohapatra, Secretary, DARE and Director

General, ICAR gave the presidential address in the inaugural session emphasizing the need for enhancing the oilseeds productivity in the country. Dr. A.R. Pathak, Vice-Chancellor, JAU, Junagadh was the Chief Guest for the inaugural session. Around 200 scientists, students, farmers, entrepreneurs and stakeholders from

industry participated. Scientists presented papers on various issues ranging from developing climate resilient varieties, crop protection and production strategies to be adopted to mitigate the impact of climate change, changes required in the policy framework for enhancing the income of oilseed farmers, post-harvest management, processing and value addition for harnessing the potential of secondary sources of oil and innovative approaches for rapid transfer of technologies to farmers. A separate session was held for students to present their research work during the seminar. A panel discussion was held with eminent scientists and a road map for doubling farmer's income through climate resilient agricultural technologies was formulated.

## 2022 तक वनस्पति तेल उत्पादन के रोड मैप पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू), हैदराबाद विश्वविद्यालय सभागार में अप्रैल 28-29, 2018 के दौरान भारत सरकार के कृषि सहकारीता एवं किसान कल्याण (डैक & एफडब्ल्यू) विभाग के तिलहन प्रभाग द्वारा आयोजित "2022 तक वनस्पति तेल उत्पादन के रोड मैप" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी की संस्थान ने मेजबानी की। लगभग 500 प्रतिभागीयों जो कि विभिन्न हितधारक संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले जैसे राज्य सरकारों "मिनी मिशन-I, II और III", वनस्पति तेल क्षेत्र में केंद्रीय प्रायोजित कार्यक्रमों और योजनाओं से संबंधित हैं; केंद्रीय एजेंसियां; आईसीएआर संस्थानों; तिलहन उद्योग; प्रगतिशील किसान; और कृषि सहकारीता एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस समारोह में भाग लिया। संगोष्ठी के भाग के रूप में, वनस्पति तेलों के विभिन्न क्षेत्रों के स्टालों के साथ एक प्रदर्शनी; जैसे, उपकरण निर्माता, प्रोसेसर, विपणन एजेंसियां, विकास एजेंसियां, वैल्यू चेन एजेंसियां आदि हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए उत्पादों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन का भी आयोजन किया गया।

## National Seminar on "Road Map of Vegetable Oil Production by 2022"

The ICAR-IIOR hosted a National Seminar on "Road Map of Vegetable Oil Production by 2022", organized by Oilseeds Division, Department of Agriculture, Co-operation & Farmers' Welfare (DAC & FW), Govt. of India, during April 28-29, 2018 at the University Auditorium, PJTSAU, Hyderabad. About 500 participants representing various stakeholder organizations such as State Governments implementing "The Mini Mission-I, II and III", related to centrally-sponsored programmes and schemes in vegetable oil sector, central agencies, ICAR institutes, oilseed industries, progressive farmers and senior officials of DAC & FW, Govt. of India attended the event. As part of the seminar, an exhibition with stalls by various sectors of vegetable oils including equipment manufacturers, processors, marketing agencies, developmental agencies, value chain agencies, etc. was also organized to display products and the state of the art technologies for creating awareness among the stakeholders.



28 अप्रैल 2018 को श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। डॉ. प्रवीण राव, प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू), हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति; डॉ. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; डॉ. एस.के. मल्होत्रा, कृषि आयुक्त, डीएसी एवं एफडब्ल्यू, भारत सरकार; डॉ. अशोक डलवाई, सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय बारानी क्षेत्र प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. बी. राजेंद्र, संयुक्त सचिव (तिलहन), डीएसी एवं एफडब्ल्यू, भारत सरकार सम्मानित अतिथि थे।

अपने उद्घाटन भाषण में श्री. गजेन्द्र सिंह शेखावत जी, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने राष्ट्र के कृषि क्षेत्र की

The seminar was inaugurated on April 28, 2018 by Shri Gajendra Singh Shekhawat Ji, Hon'ble Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India. Dr. Praveen Rao, Vice-Chancellor, PJTSAU, Rajendranagar, Hyderabad, Dr. A.K. Singh, Deputy Director General (Crop Science), ICAR, New Delhi; Dr. S.K. Malhotra, Agriculture Commissioner, DAC&FW, Govt. of India; Dr. Ashok Dalwai, IAS, Secretary & Chief Executive Officer, National Rain-fed Area Authority, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India and Dr. B. Rajender, IAS, Joint Secretary (Oilseeds), DAC&FW, Govt. of India were the guests of honour.

In his inaugural speech, Shri Gajendra Singh Shekhawat Ji, Hon'ble Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India, lauded the natural diversity and



प्राकृतिक विविधता और समृद्धि की सराहना की। उन्होंने उत्पादन-केंद्रित से आय-केंद्रित दृष्टिकोण पर फोकस को बदलकर कृषि अर्थव्यवस्था में रुचियाँ विकसित करने का युवाओं से आग्रह किया। उन्होंने ग्रीस "वर्जिन प्रीमियम तेल के मॉडल पर" कोल्ड-प्रेस तेल-एक्सप्लोररल सुविधा फार्म पर ही स्थापित करने का सुझाव दिया ताकि भारतीय किसान प्रीमियम गुणवत्तायुक्त वनस्पति तेलों के उत्पादन से अधिक लाभ कमा सके। मंत्री ने सुझाव दिया कि संगोष्ठी के दौरान देश में वनस्पति तेल उत्पादन से संबंधित मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया जाए।



संगोष्ठी में चार तकनीकी सत्र थे: 'वनस्पति तेलों के प्राथमिक स्रोतों', 'तिलहन उत्पादन एवं उत्पादकता', 'वनस्पति तेलों के द्वितीयक स्रोतों', और 'एमएसपी, विपणन, प्रसंस्करण, व्यापार और नीति' और इन सत्रों में से प्रत्येक सत्र में प्रत्येक डोमेन में विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं और इस प्रकार वर्तमान परिदृश्य का एक स्पष्ट वर्णन साथ ही वनस्पति तेलों की मांग और आपूर्ति के बीच की खाई को कम करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कैसे एक रोडमैप विकसित करना है।

प्लीनेरी सत्र, 29 अप्रैल 2018 की दोपहर को डॉ. प्रवीण राव, कुलपति प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, राजेंद्रनगर, हैदराबाद की अध्यक्षता, और डॉ. एस.के. मल्होत्रा, कृषि आयुक्त, डैक & किसान कल्याण, भारत सरकार की सह अध्यक्षता में आयोजित किया गया। डॉ. ए. विष्णुवर्धन रेड्डी, निदेशक भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद और डॉ. अनुपम बारिक, अतिरिक्त आयुक्त (तिलहन अनुभाग), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, रेपोर्टीयरस थे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी की सिफारिशों का सार नीचे दिया गया है

- उपलब्ध प्रौद्योगिकियों, मशीनीकरण सहित स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए फाईन ट्यून करना चाहिए।
- मूल्य वर्धन-अधिक मूल्य वर्धित उत्पादों को विकसित किया जाए ताकि किसानों को उनकी उपज के लिए एक प्रीमियम मिल सके।
- फसल जोन को गोद लेना-भारत सरकार को स्थान विशेष दृष्टिकोण के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के लिए 100 संभावित तिलहन उगाने वाले जिलों की पहचान करनी चाहिए।
- सुखा प्रुफिंग के द्वारा नमी संरक्षण, जल संचयन, खेत में तालाबों का निर्माण, गहरी जुताई आदि को बारानी शतों के तहत बड़े पैमाने पर अपनाए जाने की आवश्यकता है।

richness of agriculture sector of the nation. He urged the youth to develop interests in agrarian economy by shifting the focus from production-centric to income-centric approach. He called for setting-up of cold-pressed oil-exPELLER facilities within farm-gates on the model of Greece's "virgin premium oil" so that Indian peasants can earn more profit by producing premium quality vegetable oils. The minister suggested that the issues pertaining to vegetable oil production in the country be thoroughly discussed during the seminar.



The seminar had four technical sessions: 'Primary Sources of Vegetable Oils', 'Oilseeds Production & Productivity', 'Secondary Sources of Vegetable Oils', and 'MSP, Marketing, Processing, Trade and Policy' and in each of these sessions there were presentations made by experts in each domain and thus provided a clear narration of the present scenario as well as how to develop a roadmap to achieve the goal of reducing the gap between demand and supply of vegetable oils.

The plenary session, held in the afternoon of April 29, 2018 was chaired by Dr. V. Praveen Rao, Vice-Chancellor, PJTSAU, Rajendranagar, Hyderabad and co-chaired by Dr. S.K. Malhotra, Agriculture Commissioner, DAC & FW, Govt. of India. Dr. A. Vishnuvardhan Reddy, Director, ICAR-IIOR, Hyderabad and Dr. Anupam Barik, Additional Commissioner (Oilseeds Section), Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, Govt. of India were rapporteurs.

A gist of recommendations of the national seminar is provided below.

- Available technologies, including mechanization, to be fine-tuned to meet the local requirements.
- Value addition - more value added products to be developed so that farmers get a premium for their produce.
- Adoption of crop zoning - the Govt. of India should identify 100 potential oilseed growing districts with a focus to increase productivity through location specific approach.
- Drought proofing through moisture conservation, water harvesting, creation of farm ponds, deep ploughing, etc. need to be adopted on a large scale under rainfed conditions.

- चावल फेलो और अन्य परती भूमि का उपयोग जिसमें तिलहनों के रूप में और गैर-परंपरागत क्षेत्रों में तिलहनी फसलों का परिचय देकर फसल की खेती करके क्षेत्र विस्तार और फसल विविधीकरण की जानी चाहिए।
- आयल-पाम की खेती को उत्तर-पूर्वी राज्यों में भी बढ़ावा दिया जाए।
- बेकार और नीची भूमि में पेड़ वहन तेलों (टीबीओ) का क्षेत्र विस्तार।
- उत्तम किस्मों के गुणवत्तायुक्त बीजों की समय पर आपूर्ति के लिए बीज केन्द्रों का निर्माण।
- किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रोसेसिंग प्लांट और तेल-घानीयों की व्यवस्था की जाए।
- ग्रामीण स्तर पर बीज संग्रहण सुविधाओं का सृजन।
- उपज अंतराल को कम करने के लिए सर्वोत्तम प्रबंधन पद्धतियों (बीएमपी) का प्रचार-प्रसार करना।
- आधुनिक प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों को अपनाना।

## बीज मेला

प्रो. जयशंकर कृषि विश्वविद्यालय ने 24 मई, 2018 को पहली बार राजेंद्रनगर में एक बीज मेला का आयोजन किया। आईसीएआर-आईआईओआर, हैदराबाद ने मेले में भाग लिया और अरंड के किस्मों और संकर (डीसीएच - 51 9, डीसीएच-117, डीसीएस - 107), सूरजमुखी (डीआरएसएच -1, डीआरएसएफ-113 और डीआरएसएफ -108) के संकर के उपलब्ध बीज का प्रदर्शन किया, कुसुम (पीबीएनएस - 12, आईएसएफ - 764 और डीएसएच -185), तिल (श्वेता, सीयूएमएस -17, जीटी -10, वाईएलएम -66)। कुल 2000 प्रतिभागियों ने मेले का दौरा किया। मेले का उद्घाटन श्री पोचराम श्रीनिवास, माननीय कृषि मंत्री, तेलंगाना सरकार ने किया। कृषि और पशुपालन के सभी संस्थानों और उद्यमों ने अपने स्टालों और मूल बीज / रोपण सामग्री के साथ भाग लिया। सामान्य कृषि और कृषि आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं के अलावा फसल उत्पादन और गुणवत्ता बीज आपूर्ति के विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता पैदा करने के लिए गणमान्य व्यक्तियों और वैज्ञानिकों के साथ किसानों के एक संवाद सत्र की व्यवस्था भी की गई थी। तिलहन फसलों के सहभागिता बीज उत्पादन में लगे किसानों ने अपने अनुभवों को सहभागियों के साथ साझा किया।

## तिलहन-बीज दिवस

खरीफ सीजन की शुरुआत में 7 जून, 2018 को आईसीएआर - आईआईओआर में तिलहन-बीज दिवस का आयोजन किया गया ताकि किसानों को अरंड, सूरजमुखी, तिल और कुसुम के गुणवत्ता वाले अच्छे बीजों कि आईआईओआर में उत्पादित (किस्म/संकर) की खरीद के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। बीज दिवस का उद्घाटन आईसीएआर-आईआईओआर के निदेशक डॉ. ए. विष्णुवर्धन रेड्डी ने किया। तेलंगाना के रंगा रेड्डी, हैदराबाद और वरंगल जिले और आंध्र प्रदेश के अनंतपुरमू जिले के किसानों ने भाग

- Area expansion and crop diversification using rice fallows and other fallow lands including oilseeds as intercrops and by introducing oilseed crops in non-traditional areas.
- Oil palm cultivation to be promoted in North-Eastern states as well.
- Area expansion of Tree Borne Oils (TBOs) in waste and degraded lands.
- Creation of seed hubs for timely supply of quality seeds of improved varieties.
- More processing plants and oil-exPELLERS to be set up in rural areas through Farmer Producer Organizations (FPOs).
- Creation of seed storage facilities at village level.
- Dissemination of Best Management Practices (BMPs) to reduce the yield gaps.
- Adoption of modern processing technologies.

## Seed Mela

Prof. Jayashankar Telangana State Agricultural University organised a Seed Mela at Rajendranagar on May 24, 2018. The ICAR-IIOR, Hyderabad participated in the mela and exhibited the available seed of varieties and hybrids of castor (DCH-519, DCH-117, DCS-107), sunflower (DRSH-1, DRSF-113 and



DRSF-108), safflower (PBNS-12, ISF-764 and DSH-185), sesame (Swetha, CUMS-17, GT-10, YLM-66). A total of 2000 participants visited the mela on the day. The mela was inaugurated by Shri Pocharam Srinivas Reddy, Hon'ble Minister of Agriculture, Govt. of Telangana. All the institutes and enterprises of agriculture and animal husbandry participated with their stalls and the basic seed/planting material.

An interaction session of farmers with the dignitaries and the scientists was also arranged to create awareness on various aspects of crop production and quality seed supply besides various schemes of the government in promoting general agriculture and agro-based enterprises. The farmers engaged in participatory seed production of oilseed crops shared their experiences with the participants.

## Oilseeds Seed Day

An Oilseeds Seed Day was organized at ICAR – IIOR on June 7, 2018 at the start of the *kharif* season to encourage the farmers to procure quality seed of cultivars (varieties/hybrids) of oilseed crops (castor, sunflower, sesame and safflower) being produced at IIOR. The seed day was inaugurated by Dr. A. Vishnuvardhan Reddy, Director, ICAR-IIOR. Farmers from Ranga Reddy, Hyderabad and Warangal districts of Telangana, and Anantapuramu district of Andhra Pradesh participated and procured the seeds. Interacting



लिया और बीज खरीदे। आईआईओआर के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करते हुए, किसानों को उत्पादकता में वृद्धि और आय बढ़ाने, खेती की लागत में कमी और मूल्यवर्धन के लिए फसलों में उपलब्ध सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। डॉ. विष्णुवर्धन रेड्डी ने किसानों को बीज उत्पादन और ब्रांडिंग के लिए एफपीओ बना कर इसके माध्यम से उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित किया। बीज के साथ, किसानों को बीज उपचार और पौध संरक्षण के उपयोग के लिए कुशल ट्राइकोडर्मा के पैकेट प्रदान किए गए। कई सक्रिय किसानों ने रबी मौसम के पहले कुसुम बीज खरीदा। समारोह के दौरान सहभागी बीज उत्पादन में आईसीएआर-आईआईओआर के जीत का अनुभव किसान समुदाय को सुनाया गया।

### तिलहन-बीज हब की बैठक

कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, सरकार द्वारा मई 2018 में स्वीकृत तिलहन-बीज हब का औपचारिक रूप से उद्घाटन डॉ. एस. के. मल्होत्रा, कृषि आयुक्त, डीएसी और एफडब्ल्यू, नई दिल्ली द्वारा 11 जून, 2018 को आईसीएआर-आईआईओआर, हैदराबाद में किया गया। मूंगफली, सरसों, सोयाबीन, अरंड, सूरजमुखी, कुसुम, तिल, रामतिल तथा अलसी और ऑयलसीड्स विकास निदेशालय के सभी सहकारी फसल संस्थानों ने अपने निदेशकों और फसल समन्वयकों के साथ भाग लिया। डॉ. एस. एन. सुधाकर बाबू ने आईसीएआर-आईआईओआर के समन्वय इकाई के साथ नौ सालाना तिलहन फसलों के लिए कुल बजट व्यय 5091.18 लाख रुपये के साथ 35 बीज हबों के लिए तिलहन बीज हब की प्रशासनिक मंजूरी की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. ए. विष्णुवर्धन रेड्डी, निदेशक, आईसीएआर-आईआईओआर और ऑयलसीड्स बीज हब के नोडल अधिकारी ने विभिन्न फसलों में परियोजना के संचालन और निष्पादन के विवरण और पहले वर्ष के लिए मूल बीज आवश्यकता को पूरा करने के लिए विधियों और नवीनतम किस्म के सख्त अनुपालन और प्रमाणन के बारे में चर्चा की। फसल-वार तथा संस्थान और एसएयू के हितधारक केंद्रों के विवरण प्रस्तुत कर उन पर चर्चा की गई।

देश में वनस्पति तेलों की तीव्र कमी (> 60%) की पूर्ति के लिए भारी मात्रा में तेल के आयात की आवश्यकता होती है, जिससे सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ता है। देश में पिछले दो वर्षों से संचालित किए जा रहे पल्स सीड हब की सफलता को देखते हुए, यह उम्मीद है कि तिलहन बीज हब पर एक विशेष परियोजना द्वारा गुणवत्ता के बीज की आपूर्ति द्वारा तिलहन की स्थिति में सुधार होगा। मूल रूप से बीज हब में भाग लेने वाले प्रत्येक संस्थान के लिए निधि और बुनियादी ढाँचे के लिए बजट समर्थन प्रदान किया गया है। समूह

with the scientists of IIOR, the farmers were encouraged to adopt best management practices available across the crops for increasing productivity and enhancing the income, reduction in cost of cultivation and value addition. Dr. Vishnuvardhan Reddy encouraged the farmers to be entrepreneurs through forming FPOs for seed production and branding. Along with seed, farmers were provided with the packets of efficient *Trichoderma* strain for use as seed treatment and for plant protection. Many proactive farmers purchased safflower seed in advance of *rabi* season. The successful win – win experience of ICAR-IIOR in participatory seed production was narrated to the farming community during the event.

### Launching of Oilseeds Seed Hub

The 'Oilseeds Seed Hub' sanctioned by DAC&FW, Govt. of India during May 2018 was launched in the presence of Dr. S.K. Malhotra, Agriculture Commissioner, DAC & FW, New Delhi on June 11, 2018 at ICAR-IIOR, Hyderabad. All the cooperating crop institutes of Groundnut, Rapeseed & Mustard, Soybean, Castor, Sunflower, Safflower, Sesame, Niger and Linseed and Directorate of Oilseeds Development participated with their Directors and Crop Coordinators. Dr. S.N. Sudhakara Babu presented the outline of administrative sanction of Oilseeds Seed Hub for 35 seed hubs on nine annual oilseed crops with a total budget outlay of Rs.5091.18 Lakhs and ICAR-IIOR as coordinating unit. Dr. A. Vishnuvardhan Reddy, Director, ICAR-IIOR and Nodal Officer of Oilseeds Seed Hub discussed the details of operation and execution of the project in different crops and the modalities to meet the basic seed requirement for the first year and the strict compliance of latest varieties and certification. The details of crop-wise and the stakeholder centres of institute and SAUs were presented and discussed.

Acute shortage (>60%) of vegetable oils in the country necessitates huge imports, which cost the Exchequer heavy. Drawing success of 'Pulses Seed Hub' being operated in the country for the past two years, it is hoped to improve the oilseeds situation through supply of quality seeds by a special project on 'Oilseeds Seed Hub'. Essentially the budget support has been provided for revolving fund and infrastructure for each institute participating in the seed hub. The group had discussion regarding the urgency and season bound nature





में विशेष रूप से मूंगफली और सोयाबीन के तात्कालिक बीज उपलब्धता में कमी और सीजन बाध्य प्रकृति, बड़े पैमाने पर प्रमाणित बीज उत्पादन, उन्नत किस्मों की उपलब्धता (<10 साल पुरानी) और बीज निगमों और राज्य के कृषि विभाग इत्यादि के माध्यम से उत्पादित बीज उठाने के तौर-तरीकों के बारे में चर्चा की गई।

### माननीय प्रधानमंत्री श्री. नरेंद्र मोदी जी कि किसानों और स्वयं सहायता समूहों से बातचीत

भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी ने 20 जून, 2018 को एक लाइव प्रसारण कार्यक्रम के माध्यम से देश के किसानों और स्वयं सहायता समूहों / उद्यमियों के साथ बातचीत की। इस कार्यक्रम के दौरान, केवीके के माध्यम से, देश भर के किसानों ने पीएम के साथ बातचीत की और सरकार द्वारा प्रचारित प्रौद्योगिकियों और नीतियों के उपयोग के साथ कृषि उत्पादन में उनके सफल अनुभव के बारे में जानकारी दी। आईसीएआर-आईआईओआर के सभी कर्मचारियों ने संस्थान में लाइव प्रसारण कार्यक्रम भी देखा, जो देश में कृषि विकास और किसान कल्याण के सभी हितधारकों के लिए एक उत्साहजनक और प्रेरक संदेश रहा है। किसानों और स्वयं सहायता समूहों के साथ प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की बातचीत



especially for groundnut and soybean, immediate shortage in availability of foundation seeds to take up certified seed production in large acreage, availability of improved varieties (<10 years old) and the modalities of lifting of the seed produced through seed corporations and state department of agriculture etc.

### Interaction of Prime Minister Shri Narendra Modi Ji with farmers and self-help groups

The Hon'ble Prime Minister of India, Shri Narendra Modi Ji interacted with farmers and self-help groups/entrepreneurs of the country through a live broadcast programme on June 20, 2018. During this programme, through KVKs, the farmers from across the country interacted with the PM and briefed about their successful experience in the farm production with use of technologies and policies being promoted by the government. All the staff members of ICAR-IIOR also witnessed the live broadcast programme at the Institute, which has been an encouraging and motivational message from the PM to all the stakeholders of agricultural development and farmer's welfare in the country.

### अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2018 को मनाया गया। सुबह के सत्र में, योग गुरु श्री अजीत सिंह ने निर्देश दिया और आईआईओआर के सभी कर्मचारियों ने आयुष मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए संयुक्त प्रोटोकॉल सीवाईपी के अनुसार विभिन्न योग आसनों का अभ्यास किया। दोपहर के सत्र में, श्रीमती पवित्रा, योग गुरु, योग हब, अत्तापुर, हैदराबाद द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया गया। उन्होंने योग के सार और दैनिक जीवन में इसके महत्व और विभिन्न जीवन शैली रोगों से हमें बचाने के लिए योग आसन बताए। श्रीमती पवित्रा, योग गुरु ने आष्टांग योग को भी विस्तारित किया और खूबसूरती से यम, नियाम आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि के बारे में समझाया। उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों को विभिन्न सुक्ष्म योग आसन के बारे में भी प्रबुद्ध किया, जिसे कार्य समय के दौरान अवकाश / ब्रेक (5 मिनट) के दौरान किया जा सकता है। उनके सहयोगी द्वारा एक छोटा प्रदर्शन दिया गया था और आईआईओआर के सभी स्टाफ सदस्यों को भी विभिन्न सुक्ष्म योग आसन का अभ्यास करवाया गया और उसके बाद योग निद्रा का एक छोटा अभ्यास भी किया गया।



### International Yoga Day

International Yoga Day was celebrated on June 21, 2018. In the morning session, Yoga Guru Shri Ajit Singh instructed and all staff of IIOR performed various Yoga Asanas as per combined protocol CYP provided by Ministry of Ayush, Govt. of India. In the afternoon session, a special lecture was delivered by Smt. Pavitra, Yoga Guru from Yoga Hub, Attapur, Hyderabad. She explained the importance of Yoga in daily life. Smt. Pavitra, Yoga Guru also elaborated the Astanga Yoga and beautifully explained Yam, Niyam Asan, Pranayam, Pratyahar, Dharana, Dhyana and Samadhi and various Asanas. She also enlightened all the staff members about various Sushma Yoga Asanas, which could be performed in the leisure/breaks during working time. A small demonstration was given by her associate and all the staff members of IIOR are also practiced various Sushma Yoga Asans and followed by a small practice of Yoga Nidra.



## फील्ड दिवस / Field Days

### एनईएच क्षेत्र में अनिवार्य तिलहन फसलों का क्षेत्र विस्तार

एनईएच राज्यों में सूरजमुखी की फसल का विस्तार करने के प्रयास में, आईसीएआर-आईआईओआर, हैदराबाद ने अप्रैल 09, 2018 को त्रिपुरा में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर त्रिपुरा, लेम्बुचेरा के सहयोग से सूरजमुखी पर एक फील्ड दिवस आयोजित किया। 100 किसानों, महिलाओं और ग्रामीण युवाओं के समूह ने त्रिपुरा के चार जिलों से कार्यक्रम में भाग लिया। सीएटी के प्रधानाचार्य डॉ. एम. दत्ता ने सभा का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एस. पी. सरकार, निदेशक कृषि, त्रिपुरा सरकार ने की थी। डॉ. आईवाईएलएन मूर्ति, प्रधान वैज्ञानिक और प्रभारी निदेशक आईसीएआर-आईआईओआर, हैदराबाद मुख्य अतिथि थे। विभिन्न विषय विशेषज्ञों की सात सदस्यीय टीम आईसीएआर-आईआईओआर, हैदराबाद से, डॉ एस पी दास, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-एनईएचआर, लेम्बुचेरा केंद्र; सहायक निदेशक, एटीएमए-लेम्बुचेरा, त्रिपुरा सरकार; सीएटी, लेम्बुचेरा के वैज्ञानिकों की टीम और आईसीएआर-केवीके के विषय विशेषज्ञ, लेम्बुचेरा ने प्रगतिशील किसानों के साथ सूरजमुखी और तिल के क्षेत्र के विस्तार तथा उत्पादकता बढ़ाने की संभावना पर बातचीत की। अपनी टिप्पणी में, अध्यक्ष ने उल्लेख किया कि लगभग एक लाख हेक्टेयर जमीन चावल की फसल कटने के बाद उपलब्ध है जिसका उपयोग सूरजमुखी और तिल को बढ़ने के लिए किया जा सकता है। यह सुझाव दिया गया था कि शीघ्र परिपक्वता (85-90 दिन) सूरजमुखी की किस्मों / संकर क्षेत्र के लिए उपयुक्त हो सकती हैं।

आईसीएआर-एनईएच कॉम्प्लेक्स अरुणाचल प्रदेश के बसार सेंटर में 12-04-2018 को रामतिल और तिल का एक और फील्ड दिवस आयोजित किया गया। लाइन विभाग के अधिकारियों, मेजबान संस्थान के वैज्ञानिकों और आईसीएआर-केवीके-बसार के विषय विशेषज्ञों के साथ-साथ कुल 80 किसानों ने फील्ड दिवस में भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री. एच. धियम, सहायक जिला कलेक्टर, बसार सर्किल की अध्यक्षता में हुई। रामतिल और तिल की खेती के विभिन्न पहलुओं पर खेतों में किसानों के साथ एक उपयोगी बातचीत हुई।



### Area Expansion of Mandate Oilseed Crops in NEH Region

In an effort to expand oilseed crops in NEH states, ICAR-IIOR, Hyderabad organized a field day on sunflower in collaboration with College of Agriculture Tripura (CAT), Lembucherra in Tripura on April 09, 2018. A group of 100 farmers, women and rural youth from four districts of Tripura participated in the programme. Dr. M. Dutta, Principal, CAT welcomed the gathering and highlighted the objectives of programme. The programme was chaired by Dr. S.P. Sarkar,

Director of Agriculture, Govt. of Tripura. Dr. I.Y.L.N. Murthy, Principal Scientist and In-charge Director, ICAR-IIOR, Hyderabad was the guest of honour. Seven member team of different subject matter specialists from ICAR-IIOR, Hyderabad, Dr. S.P. Das, Principal Scientist from ICAR-NEHR Lembucherra centre, Assistant Directors, ATMA-Lembucherra, Govt. of Tripura, team of scientists of

CAT, Lembucherra and subject matter specialists from ICAR-KVK, Lembucherra interacted with the progressive farmers for production and possibility of expansion of area under sunflower and sesame. In his remarks, the chairman mentioned that about one lakh hectares of land is available as rice fallow which could be used for growing sunflower and sesame. It was suggested that early maturing (85-90 days) sunflower varieties/hybrids may be suitable to the area.

Another field day on niger and sesame was organized on April 04, 2018 at ICAR-NEH complex Basar Centre at Arunachal Pradesh. A total of 80 farmers attended the field day along with line department officers, scientists from host institute and subject matter specialists from ICAR-KVK-Basar. The programme was chaired by Shri H. Dhiyum, Assistant District Collector, Basar Circle. A fruitful interaction with farmers took place in the field on various aspects of niger and sesame cultivation.

## अनुसंधान के मुख्य अंश / Research Highlights

### सूरजमुखी में अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी परियोजना

एक अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी परियोजना "सूरजमुखी की प्रीब्रेड लाईंस का मूल्यांकन तनाव प्रतिरोध और ट्रेड-आफ के साथ उपज का एसोसिएशन" प्रो एल.एच. रीसबर्ग, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय (यूबीसी), कनाडा के द्वारा वैश्विक फसल विविधता फसल ट्रस्ट (फसल ट्रस्ट) जर्मनी के धन से शुरू की गई है। परियोजना सहयोगियों में ब्रिटेन के कोलंबिया विश्वविद्यालय और छह अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के साथ आईसीएआर-

### International Collaborative Project in Sunflower

ICAR-IIOR has become a part of an international collaborative project titled "Evaluation of Sunflower Pre-bred Lines for Stress Resistance and Association Trade-offs with Yield" being led by Prof. L.H. Riseberg, University of British Columbia (UBC), Canada with the funding from The Global Crop Diversity Crop Trust (The Crop Trust), Germany. The project collaborators include University of British Columbia



आईआईओआर, हैदराबाद भी शामिल है (आईसीएआर द्वारा अनुमोदित पत्र न.एफ.न.सी.एस.12(10)/2017- ओ & पी दिनांक 12.02.2018)। आईसीएआर-आईआईओआर को \$42,000 (लगभग 27 लाख रुपए) का बजट आवंटित किया गया है। परियोजना के एक भाग के रूप में, प्रीब्रेड लाईस का एक बड़े पैमाने पर मूल्यांकन उच्च उपज क्षमता और उच्च तेल सामग्री के साथ गर्मी सहिष्णु लाइनों की पहचान आईसीएआर-आईआईओआर में की जाएगी। डॉ मंगेश वाई. दुधे, वैज्ञानिक (पादप प्रजनन) भारत में परियोजना कार्यकलापों के लिए प्रमुख अन्वेषक होंगे।

### सूरजमुखी जर्मप्लाज्म केटालोग जारी

सूरजमुखी प्रजनकों को वितरण और उपयोग के लिए एक जर्मप्लाज्म केटालोग जिसमें 3126 प्रविष्टियां शामिल हैं तैयार किया गया है। केटालोग में आईआईओआर, हैदराबाद से मंगेश वाई. दुधे, एम. सुजाता, एच.पी. मीना, पी. अलीवेलू, ए.आर.जी रंगनाथा, के.एस. वरप्रसाद और ए. विष्णुवर्धन रेड्डी; एमएयू, परभणी से एम.के. घोडके; जीकेवीके, बेंगलुरु से वाई.जी. सडाक्षरी; एनबीपीजीआर, नई दिल्ली से आर.के. त्यागी और जे. राधामणी लेखक थे। आईआईओआर, हैदराबाद में 17-19 मई, 2018 "सूरजमुखी वार्षिक समूह की बैठक के दौरान यह जारी और सभी एआईसीआरपी सूरजमुखी प्रजनकों को वितरित किया गया।

and six International Organizations and Universities across the globe. ICAR-IIOR has been allocated with the budget of \$ 42,000 (approximately Rs.27.00 lakhs). As a part of the project, a large scale evaluation of pre-bred lines is undertaken at ICAR-IIOR for identification of heat tolerant lines with high yield potential and high oil content. Dr. Mangesh Y. Dudhe, Scientist (Plant Breeding) will be the Principal Investigator for the project activities in India.

### Release of Sunflower Germplasm Catalogue

A Germplasm Catalogue containing information on 3126 accessions has been prepared for distribution to the sunflower breeders for utilization. The catalogue is authored by Mangesh Y. Dudhe, M. Sujatha, H. P. Meena, P. Alivelu, A.R.G. Ranganatha, K. S. Varaprasad and A. Vishnuvardhan Reddy from ICAR-IIOR, Hyderabad; M. K. Ghodke from VNMKV, Parbhani; Y.G. Shadakshari, GKVK, Bengaluru; R.K. Tyagi and J. Radhamani from NBPGR, New Delhi. It was released and distributed to all the AICRP sunflower breeders during the "Sunflower Annual Group Meeting" held at IIOR, Hyderabad from May 17-19, 2018.

## मानव संसाधन विकास / Human Resource Development

### Participation in Training Programmes/Workshops/Seminars/Conferences/Meetings etc.

नाम / Name	कार्यक्रम / Programme	स्थल / Venue	दिनांक / Date
Dr. N. Mukta Dr. K. Ramesh	National Conference on "Enhancing Productivity of Oilseeds in the Changing Climate Scenario"	DGR, Junagadh	April 7-9, 2018
Dr. P. S. Vimala Devi Dr. M. Santhalakshmi Prasad Dr. P.S. Srinivas Smt. B. Gayatri	National Conference on "Emerging Plant Protection Technologies: Opportunities and Challenges"	NBPGR Regional Station, Hyderabad	April 20, 2018
Dr. H.H. Kumaraswamy	Workshop on "RTI Act"	ISTM, New Delhi	May 7-9, 2018
Dr. P. S. Vimala Devi	Workshop on "Microbe Based Technologies for Soil Health and Plant Nutrition"	NASC, New Delhi	May 25, 2018
Dr. N. Mukta	13 <sup>th</sup> Review Meeting of "DUS Test Centres for Kharif Conducted by Protection of Plant Varieties and Farmers Rights Authority"	NASC, New Delhi	May 31, 2018
Smt. C. Lalitha Shri P. Srinivasa Rao Shri G. Srinivas Yadav	Training Programme on "Enhancing Efficiency and Behavioural Skills"	NAARM, Hyderabad	June 21-26, 2018

## प्रकाशनों / Publications

### Book Chapters

Vimala Devi, P.S. 2018. Mass production of *Bacillus thuringiensis* and *Nomuraea rileyi*. In: Chattopadhyay, C., Tanwar, R.K., Sehgal, M., Birah, A., Bhagat, S., Ahmad, N. and Mehta, N. (Eds), Handbook of Integrated Pest Management. Indian Council of Agricultural Research, New Delhi. Pp. 353-357.

### Papers Presented in Conferences

Mukta, N., Padmavathi, P., Khadtare, S.V., Uke P.C. and Praduman Y. 2018. Identification of efficient safflower germplasm accessions under moisture stress conditions.

In: Proceedings of the "National Conference on Enhancing Productivity of Oilseeds in Changing Climate Scenario" organised by ISOR and DGR at Junagadh from April 7-9, 2018.

Manjunatha, T., Lavanya, C., Senthilvel, S., Ramya, K.T. and Vishnuvardhan Reddy A. 2018. Effect of node number and days to flowering on yield traits in castor hybrids under rainfed conditions. In: Proceedings of the "National Conference on Enhancing Productivity of Oilseeds in Changing Climate Scenario" organised by ISOR and DGR at Junagadh from April 7-9, 2018.



Ratnakumar, P., Jawahar Lal, J., Praduman, Y., Ramya, K.T., Ramesh, K. and Vishnuvardhan Reddy, A. 2018. Traits associated for tolerance to intermittent drought in Indian sesame (*Sesamum indicum*): a field study. In: Proceedings of the "National Conference on Enhancing Productivity of Oilseeds in Changing Climate Scenario" organised by ISOR and DGR at Junagadh from April 7-9, 2018.

## कार्मिक / Personnel

### Transfer

Dr. Sujatha, T.P., Scientist (Biotechnology) was transferred from ICAR-IIOR to ICAR-IIAB, Ranchi on June 28, 2018.

### Retirements



Shri B. Narasimha, SSS (Mali) retired from ICAR-IIOR services on April 30, 2018



Dr. H. Basappa, Principal Scientist (Ag. Entomology) retired from ICAR-IIOR services on June 30, 2018

Farewell functions were organised by Recreation Club of ICAR-IIOR to give graceful send-offs to the outgoing staff members. The Director and Staff remembered their contributions to the institute and wished them a very happy, prosperous, healthy and retired life.

## राज भाषा गतिविधियों

### संस्थान में प्रबोध पाठ्यक्रम का आयोजन



संस्थान में जून 05, 2018 से प्रबोध पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम का संचालन श्री. जयशंकर प्रसाद तिवारी, सहा. निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना द्वारा किया गया। इस पाठ्यक्रम में तिलहन अनुसंधान संस्थान के दस तथा राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी के दस एस.एस.एस. कर्मचारियों ने भाग लिया। इस पाठ्यक्रम की समाप्ति पर 29 जून, 2018 को परीक्षा हिन्दी शिक्षण योजना के कवाडीगुडा स्थित कार्यालय में आयोजित की गई।

### हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

संस्थान में 25 जून, 2018 को एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन एसएसएस कर्मचारियों के लिए तिलहन अनुसंधान संस्थान तथा नार्म के लिए संयुक्त रूप से किया गया। इस कार्यशाला का संचालन श्री. जयशंकर प्रसाद तिवारी, सहा. निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना ने किया। कार्यशाला में रोजमर्रा के कार्यालयीन कार्यों में कैसे वे हिन्दी को उपयोग में ला सकते हैं, इस पर विस्तार से बताया गया।

## Printed Matter / Book - Post

Editors : Dr. P. Kadirvel, Dr. Md. A. Aziz Qureshi, Mr. Pradeep Singh & Dr. H.P. Meena  
Compiled by : Mr. V. Sambasiva Rao & Mr. G. Chandraiah  
Photo Credits : Mr. B.V. Rao

**Published by :** Dr. A. Vishnuvardhan Reddy, Director on behalf of the ICAR-Indian Institute of Oilseeds Research, Rajendranagar, Hyderabad-500 030  
Web site: <http://www.icar-iior.org.in>  
E-mail: [director.iior@icar.gov.in](mailto:director.iior@icar.gov.in)  
Fax: (+91) 040-24017969  
Phone: (+91) 040-24015222

